GLOBUS

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय,
नर्मदापुरम
गोस्वामी तुलसीदासजी
-जयंती

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय,
नर्मदापुरम
(हिन्दी विभाग)
गोस्वामी तुलसीदासजी
-जयंती
कार्यक्रम
(काव्यपाठ, अन्त्याक्षरी एवं व्याख्यान)

विद्यार्थियों ने दोहे–चौपाई से की राम स्तुति और हनुमान चालीसा का पाठ

आयोजन ● नर्मदा महाविद्यालय में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई

प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते विद्यार्थी और स्टाफ। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, नर्मदापुरमः प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय में बुधवार को हिंदी विभाग के तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य तुलसी के साहित्यिक ,आध्यात्मिक योगदान और मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से किया गया। विभागाध्यक्ष डा. केजी मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए वाल्मीकि रामायण से तुलसीकृत रामचरितमानस तक की रचना यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तुलसीदास ने भक्ति काव्य को जन-जन तक पहुंचा कर श्री रामचरितमानस जैसी कालजई रचनाओं के माध्यम से भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है।

स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डा. आरके चौकसे ने कहा कि तुलसी जी का साहित्य सनातन संस्कृति के लिए एक अमूल्य धरोहर है जो समाज को लोकमंगल सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। इसकी प्रासंगिकता हर युग में रही है। डा. संजय चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में डा. राजेश दीवान ने रामचरितमानस सहित उनकी अनेक रचनाओं में निहित भक्ति, लोकमंगल मर्यादा और मानवीय मूल्यों की चर्चा करते हुए बताया कि रामचरितमानस के मूल्यों को आत्मसात करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक और साहित्यिक रचनाओं पर अपने प्रस्तुति दी। प्रिया साहू ने श्री राम स्तुति और कवितावली,राखी सराठे और निशा बिसोभिया ने दोहे, शिवांशु मिश्रा ने तुलसी साहित्य पर भाषण, आरती चौरे ने जीवन परिचय,प्रभा कीर ने दोहे चौपाई,डा. अंजना यादव ने भजन और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में डा. मिश्र के साथ सभागार में सभी ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। डा. सुभाष जाटव ने संचालन करते हुए श्रीराम पर स्वरचित गजल सुनाई, विशेष सहयोग डा. धर्मेंद्र कोरी और मनीष कटारे का रहा। डा. अमिता जोशी, डा. सुधीर दिक्षित, डा. ममता गर्ग, डा. मंजू मालवीय, डा. एनआर अडलक, नीतू चौबे तथा चांदनी, आकांक्षा, स्नेहा,सुमित धुर्वे अश्विनी कुमार मुकेश मौर्य आदित्य कमले आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्कूल के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरदा : संभाग स्तरीय हैंडबाल अंडर 14 बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का आयोजन हरदा में किया गया। प्रतियोगिता में विजन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल हरदा के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों में हरदा जिले को विजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला हरदा और बैतूल के बीच खेला गया, जिसमें हरदा की बालिकाओं ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए बैतूल की टीम को 6-0 गोल के शानदार अंतर से पराजित किया। वहीं बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला हरदा और नर्मदापुरम के बीच हुआ, जिसमें हरदा की टीम ने 18-3 गोल से शानदार जीत दर्ज की। इसमें मुख्य खिलाड़ी हिमांशु जाट, प्रफुल्ल अत्रे, दक्ष पटेल, प्रथम डागा, दिव्यांश व्यास, शौर्य पटेल, प्रथम जाट, यशराज जाट, हसनैन, आर्या राजपूत, अन्वी चौरे, दीपशिखा विश्नोई, अनिका तंवर, काव्या उमरिया, सुहाना बड़ोदिया, आकांक्षा दोगने, ईशानी जाट, नेहारिका विश्नोई, खुशबू बांके ने शानदार प्रदर्शन कर जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर विद्यालय के संस्थापक डा. रामकिशोर दोगने, स्कूल संचालक कुणाल दोगने, प्राचार्य नितेश जैन, मुकेश गुर्जर, कोच गौतम विश्वकर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने हर्ष जताया।

रामचरितमानस के मूल्यों पर विद्यार्थियों ने की चर्चा

नर्मदा कॉलेज में तुलसीदास जयंती पर कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता|नर्मदापुरम

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय में हिंदी विभाग ने गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई। उद्देश्य तुलसीदास के साहित्यिक योगदान, आध्यात्मिक संदेश, उनके मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। विभागाध्यक्ष डॉ. केजी मिश्र ने वाल्मीकि रामायण से तुलसीकृत रामचरितमानस तक की रचना-यात्रा पर बात रखी। प्राचार्य डॉ आरके चौकसे ने स्वागत उद्बोधन दिया। विद्यार्थियों ने साहित्यिक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रिया साहू ने राम स्तुति, कवितावली का पाठ किया। राखी सराठे, निशा बिसोभिया ने दोहे प्रस्तुत किए। शिवांशु मिश्रा ने तुलसी साहित्य पर भाषण दिया।

दोहे-चौपाई सुनाई : कार्यक्रम में आरती चौरे ने जीवन परिचय रखा। प्रभा कीर ने दोहे-चौपाई सुनाईं। डॉ अंजना यादव ने भजन के साथ प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुभाष जाटव ने किया। विशेष सहयोग डॉ. धर्मेंद्र कोरी, मनीष कटारे का रहा। इस अवसर पर डॉ. अमिता जोशी, डॉ. सुधीर दीक्षित, डॉ. ममता गर्ग, डॉ. मंजू मालवीय, डॉ एनआर अडलक, नीतू चौबे सहित चांदनी, आकांक्षा, स्नेहा, सुमित धुर्वे, अश्विनी कुमार, मुकेश मौर्य, आदित्य कम्मले सहित अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

कार्यक्रम | जिले में विभिन्न स्थानों पर तुलसीदास जी की जयंती पर हुए कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने किया दोहे चौपाई, श्रीराम स्तुति और हनुमान चालीसा का पाठ

जागरण, नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आज हिंदी विभाग के तत्वाधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य तुलसी जी के साहित्यिक ,आध्यात्मिक योगदान और मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ के जी मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए वाल्मीकि रामायण से तुलसीकृत रामचरितमानस तक की रचना यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तुलसीदास ने भक्ति काव्य को जन-जन तक पहुंचा कर श्री रामचरितमानस जैसी कालजई रचनाओं के माध्यम से भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ आर के चौकसे ने कहा कि तुलसी जी का साहित्य सनातन संस्कृति के लिए एक अमूल्य धरोहर है जो समाज को लोकमंगल सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। इसकी प्रासंगिकता हर युग में रही है। डॉ संजय चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए.इसी क्रम में डॉ राजेश दीवान ने रामचरितमानस सहित उनकी अनेक रचनाओं में निहित भक्ति, लोकमंगल मर्यादा और मानवीय मूल्यों की चर्चा करते हुए बताया कि रामचरितमानस के मूल्यों को आत्मसात करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक और साहित्यिक रचनाओं पर अपने प्रस्तुति दी। प्रिया साहू ने श्री राम स्तुति और कवितावली,राखी सराठे और निशा बिसोभिया ने दोहे, शिवांशु मिश्रा ने तुलसी साहित्य पर भाषण, आरती चौरे ने जीवन परिचय,प्रभा कीर ने दोहे चौपाई,डॉ अंजना यादव ने भजन और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ मिश्र के साथ सभागार में सभी ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। डॉ सुभाष जाटव ने संचालन करते हुए श्रीराम पर स्वरचित गजल सुनाई, विशेष सहयोग डॉ धर्मेंद्र कोरी और मनीष कटारे का रहा। डॉ अमिता जोशी, डॉ सुधीर दिक्षित, डा ममता गर्ग, डॉ मंजू मालवीय, डॉ एन आर अडलक, श्रीमती नीतू चौबे तथा चांदनी, आकांक्षा, स्नेहा,सुमित धुर्वे अश्विनी कुमार मुकेश मौर्य आदित्य

रामायण पाठ कर मनाया जयंती महोत्सव

जागरण, सोहागपुर। कड़ा माणिकपुरी जिझौतिया ब्राह्मण समाज सोहागपुर द्वारा स्थानीय श्री रामकृष्ण दीवान मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास जयंती अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई।

इस पावन अवसर पर सनातन धर्म के महान संत और महाकवि तुलसीदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। उल्लेखनीय है कि मंदिर में तुलसीदास जयंती मनाने का इतिहास प्राचीन रहा है। पंडित इंद्र कुमार दीवान ने बताया कि यहां अतीत में जिझौतिया महासभा के सदस्यों द्वारा तुलसीदास जयंती मनाने की शुरुआत की गई थी। महासभा के सदस्यों ने एक रामायण मंडल भी बनाया था जो दीवान मंदिर सहित घरों में पहुंचकर श्री रामचरितमानस के पाठ में सहभागिता निभाया करता था। बुधवार को मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास जी तथा पवित्र ग्रंथ श्री रामचरितमानस का विधि-विधान से पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया। इस अवसर पर हेम कुमार दीवान एवं राममोहन पांडे ने तुलसीदास जी के प्रेरणादायी जीवन और उनकी रचनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। सुंदरकांड के पाठ एवं आरती उपरांत सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मणि शंकर दुबे , इंद्र कुमार दीवान , अजयकांत

ताप्ती समन्वय

20/08/26

नर्मदा कॉलेज में तुलसी जयंती मनाई गई

विद्यार्थियों ने दोहे चौपाई श्री राम स्तुति और हनुमान चालीसा का पाठ किया

नर्मदापुरम्, ताप्ती समन्वय । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आज हिंदी विभाग के तत्वाधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य तुलसी जी के साहित्यिक ,आध्यात्मिक योगदान और मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ के जी मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए वाल्मीकि रामायण से तुलसीकृत रामचरितमानस तक की रचना यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तुलसीदास ने भक्ति काव्य को जन-जन तक पहुंचा कर श्री रामचरितमानस जैसी कालजई रचनाओं के माध्यम से भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ आर के चौकसे ने कहा कि तुलसी जी का साहित्य सनातन संस्कृति के लिए एक अमूल्य धरोहर है जो समाज को लोकमंगल सदाचार के मार्ग पर अग्रसर करता रहेगा। इसकी प्रासंगिकता हर युग में रही है। डॉ संजय चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।इसी क्रम में डॉ राजेश दीवान ने रामचरितमानस सहित उनकी अनेक रचनाओं में निहित भक्ति, लोकमंगल मर्यादा और मानवीय मूल्यों की चर्चा करते हुए बताया कि रामचरितमानस के मूल्यों को आत्मसात करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक और साहित्यिक रचनाओं पर अपने प्रस्तुति दी। प्रिया साहू ने श्री राम स्तुति और कवितावली,राखी सराठे और निशा बिसोभिया ने दोहे, शिवांशु मिश्रा ने तुलसी साहित्य पर भाषण, आरती चौरे ने जीवन परिचय,प्रभा कीर ने दोहे चौपाई,डॉ अंजना यादव ने भजन और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ मिश्र के साथ सभागार में सभी ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। डॉ सुभाष जाटव ने संचालन करते हुए श्रीराम पर स्वरचित गजल सुनाई, विशेष सहयोग डॉ धर्मेंद्र कोरी और मनीष कटारे का रहा। डॉ अमिता जोशी, डॉ सुधीर दिक्षित, डा ममता गर्ग, डॉ मंजू मालवीय, डॉ एन आर अडलक, श्रीमती नीतू चौबे तथा चांदनी, आकांक्षा, स्नेहा,सुमित धुर्वे अश्विनी कुमार मुकेश मौर्य आदित्य कमले आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।